Patenting of herbal plants

*240. DR. BAPU KALDATE:
SHRI SANJAY DALMIA:

Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether herbal plants like Tulsi, Neem and Brahmi have been patented;

(b) the names of countries which have patented them; and

(c) the reasons for allowing other countries to get them patented?

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI K. KARUNAKARAN): (a) Tulsi, Neem and Brahmi have not been patented in India as plants are not patentable under the provisions of the Patents Act, 1970.

(b) and (c) As per the data-base available with the Office of the Controller of Patents, no patent is reported to have been granted in respect of plants like neem, tulsi and brahmi in foreign countries.

Complaints against Doctors of various Hospitals

1673. SHRI MOHAMMED AFZAL *alias* MEEM AFZAL: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) what is the number and the nature of complaints received against the doctors of G.B. Pant Hospital, Ram Manohar Lohia Hospital, A.I.I.M.S., Jai Prakash Narayan Hospital and Guru Teg Bahadur Hospital, New Delhi during the year 1993-94 and 1994-95 hospital-wise details thereof; and

(b) what action has been taken by Government thereon?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (DR. C. SILVERA): (a) and (b) 5 complaints against the CHS doctors of Dr. R.M.L. Hospital and 2 complaints against the doctors of All India Institute of Medical Sciences have been received in the Ministry during the years 1993-94 and 1994-95. The complaints were of the nature of financial irregularities, negligence of duty, private practice, unauthorised absence, strike etc. Necessary action on the complaints was taken as per the provisions of vigilance Manual.

NRI Participation in the Privatisation of Health Services

1674. SHRI JANARDHANA POOJARY: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to encourage private participation in Health care in the country, if so, the details thereof;

(b) whether Government are seeking NRI participation in this regard; and

(c) if so, the response of NRIs thereon?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (DR. C. SILVERA): (a) to (c) The Private sector is already a major contributor in the provision of Medical Services in the country. During the last 4 years 14 projects have been approved for setting up hospitals/diagnostic centres with NRI support.

Problems of domestic industry

1675. DR. BAPU KALDATE:
SHRI SANJAY DALMIA:
SHRI V. HANUMANTHA RAO:
SHRI AJIT P.K. JOGI:
MAULANA OBAIDULLAH KHAN AZMI:

Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether Government have identified problems of the domestic industry especially relating to surcharge on corporate tax and investment incentives;

(b) if so, whether any proposals have been worked out; and

(c) the time by when these proposals are likely to be implemented?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRIMATI KRISHNA SAHI): (a) to (c) The initiative taken in the New Industrial Policy, Export & Import Policy, 1992-97, and Union Budgets during the last few years have attempted to remove the constraints and problems faced by the domestic industries. Measures to solve the problems of domestic industry are taken on a continuous basis and policy changes are made depending upon needs and circumstances.

कृषि और ग्रामीण मजदूरों के लिए सुविधाएं

1676. **श्री रामजीलाल:** क्या **ग्रामीण क्षेत्र और रोजगार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार ने कृषि व ग्रामीण मजदूरों के लिए क्या-क्या सुविधायें प्रदान की हैं तथा मजदूरों को जवाहर रोजगार योजना, आई०आर०डी०पी०, इंदिरा आवास योजना तथा ग्रामीण बच्चों व औरतों के विकास की योजना के अंतर्गत क्या सुविधायें दी गई हैं;

(ख) इस वर्ष तथा आठवीं पंचवर्षीय योजना में राज्य-वार कितनी धनराशि मंजूर की गयी है तथा हरियाणा राज्य में इससे कितने गरीब व्यक्तियों को रोजगार मिला;

(ग) क्या सरकार गरीबी की रेखा से नीचे रहने वाले व श्रमिक वर्ग के कल्याण के लिए इस पंचवर्षीय योजना के शेष दो वर्षों में धनराशि और बढ़ायेगी; और

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है?

ग्रामीण क्षेत्र और रोजगार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री उत्तमभाई एच पटेल): (क) समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम तथा जवाहर रोजगार योजना प्रमुख गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम हैं जिन्हें ग्रामीण क्षेत्रों में गरीब लोगों के लाभ हेतु कार्यान्वित किया जा रहा है। लक्षित जनसंख्या में अन्य के साथ-साथ कृषि तथा ग्रामीण मजदूर भी शामिल हैं। समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत ग्रामीण गरीबों को सब्सिडी तथा ऋण के रूप में वित्तीय सहायता दी जाती है। ताकि वे अपना रोजगार शुरू कर सकें। जवाहर रोजगार योजना एक मजदूरी रोजगार कार्यक्रम है जिसके अन्तर्गत कृषि तथा ग्रामीण मजदूरों और अन्य ग्रामीण गरीबों को टिकाऊ स्वरूप की परिसम्पत्तियों के सृजन की मार्फत मजदूरी रोजगार मुहैया कराया जाता है। इन्दिरा आवास योजना के अन्तर्गत मकान मुफ्त में मुहैया कराये जाते हैं। ग्रामीण महिला एवं शिशु विकास कार्यक्रम केवल महिला एवं शिशु विकास हेतु कार्यक्रम है। जिसके अन्तर्गत महिला समूहों द्वारा आर्थिक गतिविधियां चलायी जाती हैं।

(ख) हरियाणा में उपर्युक्त योजनाओं के अन्तर्गत लाभान्वित व्यक्तियों की संख्या एवं, 1992-93, 1993-94, 1994-95 एवं 1995-96 के दौरान आवंटित तिथियों का राज्यवार ब्यौरा विवरण-I में दिया गया है। **(नीचे देखिए)**

(ग) एवं (घ) आठवीं योजना की शेष अवधि के लिए विभिन्न ग्रामीण विकास कार्यक्रमों हेतु निधियों के आवंटन को अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया है।

विवरण-I

समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत निधियों के आवंटन को दर्शाने वाला विवरण

(लाख रुपये में)

क्रम संख्या	राज्य/संघ शासित क्षेत्र का नाम	1992-93	1993-94	1994-95	1995-96
1	2	3	4	5	6
1.	आंध्र प्रदेश	4880	8416	8344	8336
2.	अरूणाचल प्रदेश	416	686	623	623
3.	असम	1332	2770	2747	2744